

अध्याय ~ 15

वाक्य (वर्गीकरण और वाक्यान्तरण)

भाषा हमारे भावों-विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। भाषा की रचना वर्णों, शब्दों और वाक्यों से होती है। दूसरे शब्दों में-वर्णों से शब्द, शब्दों से वाक्य और वाक्यों से भाषा का निर्माण हुआ है। इस प्रकार वाक्य शब्दों के समूह का नाम है, लेकिन सभी प्रकार के शब्दों को एक स्थान पर रखकर वाक्य नहीं बना सकते।



वाक्य

सार्थक शब्दों का वह व्यवस्थित रूप जिसमें एक पूर्ण अर्थ की प्रतीति होती है, वाक्य कहलाता है।

वाक्य के तत्त्व

वाक्य के मुख्य तत्त्व छः हैं

1. **सार्थकता** वाक्य के उचित अर्थ को समझने के लिए सार्थक शब्दों का प्रयोग किया जाता है। यदि वाक्य में सार्थकता नहीं होगी; तो वाक्य की अभिव्यक्ति सही नहीं है;
 - जैसे—**राम रोटी पीता है।**
यहाँ 'रोटी पीना' सार्थकता का बोध नहीं कराता, क्योंकि रोटी खाई जाती है। सार्थकता की दृष्टि से यह वाक्य अशुद्ध माना जाएगा। सार्थकता की दृष्टि से सही वाक्य है—**राम रोटी खाता है।**
2. **क्रम/पदक्रम** सार्थक शब्दों को भाषा के नियमों के अनुरूप क्रम में रखना चाहिए। वाक्य में शब्दों के अनुकूल पदक्रम के अभाव में अर्थ का अनर्थ हो जाता है;
 - जैसे—**नाव में नदी है।**
इस वाक्य में सभी शब्द सार्थक हैं, फिर भी पदक्रम के अभाव में वाक्य गलत है। सही पदक्रम करने पर **नदी में नाव है** वाक्य बन जाता है, जो शुद्ध है।
3. **योग्यता** वाक्य में प्रसंग के अनुकूल भावों का बोध कराने वाली योग्यता या क्षमता होनी चाहिए। इसके अभाव में वाक्य अशुद्ध हो जाता है;
 - जैसे—**हिरण उड़ता है।**
यहाँ पर **हिरण** और **उड़ने** की परस्पर योग्यता नहीं है, अतः यह वाक्य अशुद्ध है। यहाँ पर **उड़ता** के स्थान पर **चलता** या **दौड़ता** लिखें, तो वाक्य शुद्ध हो जाएगा।
4. **आकांक्षा** आकांक्षा का तात्पर्य जिज्ञासा अथवा इच्छा से है। वाक्य भाव की दृष्टि से इतना पूर्ण होना चाहिए कि उसके अर्थ को समझने के लिए कुछ जानने की इच्छा या आवश्यकता न हो।
अर्थात् वाक्य में किसी ऐसे शब्द या समूह की कमी न हो जिसके बिना अर्थ स्पष्ट न होता हो;
 - जैसे—**खाना खाता है।**
इस वाक्य में क्रिया के कर्ता को जानने की जिज्ञासा होगी। अतः यह वाक्य **रोहन खाना खाता है** इस प्रकार पूर्ण होगा।

5. **आसक्ति/निकटता** आसक्ति का अर्थ है 'समीपता'। वाक्यों को लिखते एवं बोलते समय उनमें समीपता या निकटता होना अति आवश्यक है, क्योंकि रुक-रुक कर लिखे गए अथवा बोले गए शब्दों से वाक्य अर्थपूर्ण नहीं होता।
6. **अन्वय** अन्वय का तात्पर्य शब्दों के मेल से है। पदों में व्याकरण की दृष्टि से लिंग, पुरुष, वचन, काल, कारक आदि का सामंजस्य होना चाहिए। अन्वय के अभाव में भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है;
 - जैसे—**नेताजी का लड़का का हाथ में बन्दूक था।**
इस वाक्य में भाव तो स्पष्ट है लेकिन व्याकरणिक सामंजस्य नहीं है। अतः यह वाक्य अशुद्ध है। यदि इसे **नेताजी के लड़के के हाथ में बन्दूक थी**, लिखें तो वाक्य व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होगा।

वाक्य के अंग

वाक्य के दो प्रमुख अंग होते हैं

1. **उद्देश्य** वाक्य में जिसके बारे में कुछ बताया जाता है, उसे उद्देश्य (Subject) कहते हैं। इन वाक्यों में कर्ता और कर्ता के विस्तार का वर्णन किया जाता है। उद्देश्य एक शब्द या एक से अधिक शब्दों का भी हो सकता है; जैसे—
 - **राम** खेलता है।
 - **रेणु का भाई अनुभव** बहुत तेज दौड़ता है।
उपर्युक्त वाक्यों में 'राम' और 'रेणु का भाई अनुभव' के विषय में बताया गया है। अतः 'राम' और 'रेणु का भाई अनुभव' यहाँ उद्देश्य रूप में प्रयुक्त हुए हैं। ये दोनों यहाँ कर्ता हैं।
2. **विधेय** वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, उसे विधेय (Predicate) कहते हैं। अन्य शब्दों में, वाक्य के उद्देश्य (कर्ता) को अलग करने के पश्चात् वाक्य में जो भी शेष बचता है वह विधेय कहलाता है; जैसे—
 - **बच्चे फल खाते हैं।**
 - **राहुल क्रिकेट मैच देख रहा है।**
उपर्युक्त वाक्यों में **फल खाते हैं** और **क्रिकेट मैच देख रहा है** वाक्यांश क्रमशः बच्चे तथा राहुल के बारे में कहे गए हैं। अतः स्थूलान्वित वाक्यांश विधेय रूप में प्रयुक्त हुए हैं।
आज्ञासूचक वाक्यों में उद्देश्य छिपा हुआ होता है, परन्तु विधेय उपस्थित रहता है; जैसे—**खड़े रहो।**
इस वाक्य में जिसे आज्ञा दी गई है, वह उद्देश्य (तुम/आप) छिपा हुआ है।

वाक्यों का वर्गीकरण

वाक्यों का वर्गीकरण दो आधारों पर किया गया है

रचना के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं

1. **सरल/साधारण वाक्य** वे वाक्य जिनमें एक उद्देश्य तथा एक विधेय और एक ही क्रिया (किया, करेगा, करता आदि) हो वह सरल या साधारण वाक्य (Simple Sentence) कहलाते हैं;
 - जैसे—**श्याम खाता है।**
 इस वाक्य में एक ही कर्ता (उद्देश्य) 'श्याम' तथा एक ही क्रिया (विधेय) 'खाता' है। अतः यह वाक्य सरल या साधारण वाक्य है।
2. **मिश्र वाक्य** वे वाक्य, जिनमें एक साधारण वाक्य हो तथा उसके अधीन या आश्रित दूसरा उपवाक्य हो, जो आपस में कि, क्योंकि, जैसा-वैसा, जितना-उतना, जो, जब-कब, जहाँ-वहाँ, यद्यपि/यदि, अगर, तथापि आदि से जुड़ा हो उसे मिश्र वाक्य (Complex Sentence) कहते हैं;
 - जैसे—**श्याम ने लिखा है कि वह कल आ रहा है।**
 वाक्य में 'श्याम ने लिखा है'—प्रधान उपवाक्य, 'वह कल आ रहा है' आश्रित उपवाक्य है तथा दोनों समुच्चयबोधक अव्यय **कि** से जुड़े हैं, अतः यह मिश्र वाक्य है।
3. **संयुक्त वाक्य** वे वाक्य, जिनमें एक से अधिक प्रधान उपवाक्य हों (चाहे वह मिश्र वाक्य हों या साधारण वाक्य) और वे संयोजक अव्ययों (और, एवं, तथा, या, अथवा, इसलिए, अतः, किन्तु, परन्तु, लेकिन पर आदि) द्वारा जुड़े हों, संयुक्त वाक्य (Compound Sentence) कहलाते हैं;
 - जैसे—**वह लखनऊ गया और शॉल ले आया।**
 इस वाक्य में दोनों ही प्रधान उपवाक्य हैं तथा और संयोजक द्वारा जुड़े हैं। अतः यह संयुक्त वाक्य है।

रचना के आधार पर वाक्य के भेद एवं उनकी पहचान नीचे दी गई तालिकानुसार समझी जा सकती है

वाक्य के भेद	पहचान	उदाहरण
सरल वाक्य	एक उद्देश्य + एक विधेय = सरल वाक्य	<div> <div>सूर्योदय</div> <div>होने पर कुहासा जाता रहा।</div> </div> <div> <div>उद्देश्य</div> <div>विधेय</div> </div> सरल वाक्य
मिश्र वाक्य	प्रधान उपवाक्य + आश्रित उपवाक्य = मिश्र वाक्य मिलाने वाले शब्द (कि, जो वह, जितना ... उतना,) (जैसे... वैसा..., जब... तब... ,) (जहाँ..., वहाँ..., अगर, यदि, आदि)	<div> <div>जैसे ही सूर्योदय हुआ</div> <div>वैसे ही कुहासा जाता रहा।</div> </div> <div> <div>प्रधान उपवाक्य</div> <div>आश्रित उपवाक्य</div> </div> यहाँ जैसे - - - - - वैसा (प्रधान उपवाक्य और आश्रित उपवाक्य को मिलाने वाले शब्द)
संयुक्त वाक्य	सरल वाक्य + सरल वाक्य = संयुक्त वाक्य जोड़ने वाले शब्द (और, एवं, तथा, या, अथवा, इसलिए, फिर, भी, किन्तु, परन्तु, लेकिन, पर, अतः, नहीं तो आदि।)	<div> <div>सूर्योदय हुआ</div> <div>और</div> <div>कुहासा जाता रहा।</div> </div> सरल वाक्य संयोजक शब्द सरल वाक्य

अर्थ के आधार पर

अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है

1. **विधिवाचक/विधानवाचक वाक्य** वे वाक्य, जिनसे क्रिया के होने या कराने का बोध होता है, विधिवाचक/विधानवाचक वाक्य (Assertive Sentence) कहलाते हैं; जैसे—
 - श्याम आया।
 - तुम लोग जा रहे हो।
2. **निषेधवाचक वाक्य** वे वाक्य, जिनसे किसी बात या कार्य के न होने अथवा इनकार किए जाने का बोध होता है, निषेधवाचक वाक्य (Negative Sentence) कहलाते हैं; जैसे—
 - राम नहीं पढ़ता है।
 - मैं यह कार्य नहीं करूँगा।
3. **आज्ञावाचक वाक्य** वे वाक्य, जिनसे किसी प्रकार की आज्ञा, उपदेश या प्रार्थना का बोध होता है, आज्ञावाचक वाक्य (Imperative Sentence) कहलाते हैं; जैसे—
 - श्याम पानी लाओ।
 - कृपया घर आ जाइए।
4. **विस्मयवाचक वाक्य** वे वाक्य, जिनसे किसी प्रकार का विस्मय, हर्ष, दुःख, आश्चर्य, क्रोध आदि का बोध होता है, विस्मयवाचक वाक्य (Exclamatory Sentence) कहलाते हैं; जैसे—
 - अरे! वह उत्तीर्ण हो गया।
 - अहा! कितना सुन्दर दृश्य है।
5. **सन्देहवाचक वाक्य** वे वाक्य, जिनसे किसी प्रकार के सन्देह या भ्रम का बोध होता है, सन्देहवाचक वाक्य (Sentence Indicating Doubt) कहलाते हैं; जैसे—
 - वह अब जा चुका होगा।
 - महेश पढ़ा-लिखा है या नहीं।
6. **इच्छावाचक वाक्य** वे वाक्य, जिनसे किसी प्रकार की इच्छा, आशीष और शुभकामना का बोध होता है, इच्छावाचक वाक्य (Illative Sentence) कहलाते हैं; जैसे—
 - ईश्वर आपकी यात्रा सफल करे।
 - आप जीवन में उन्नति करें।
7. **संकेतवाचक वाक्य** वे वाक्य, जिनसे किसी प्रकार के संकेत या इशारे का बोध होता है, संकेतवाचक वाक्य (Conditional Sentence) कहलाते हैं; जैसे—
 - जो परिश्रम करेगा वह सफल होगा।
 - अगर वर्षा होगी तो फसल भी अच्छी होगी।
8. **प्रश्नवाचक वाक्य** वे वाक्य, जिनसे किसी प्रश्न के पूछे जाने का बोध होता है, प्रश्नवाचक वाक्य (Interrogative Sentence) कहलाते हैं; जैसे—
 - आपका क्या नाम है?
 - तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?

उपवाक्य

जिन क्रियायुक्त पदों से आंशिक भाव व्यक्त होता है, उन्हें उपवाक्य (Clause) कहते हैं; जैसे—‘यदि वह कहता’, ‘यद्यपि वह अस्वस्थ था’ आदि।

उपवाक्य के भेद

उपवाक्य के मुख्यतः दो भेद आश्रित उपवाक्य एवं प्रधान उपवाक्य होते हैं।

1. आश्रित उपवाक्य

- ऐसे वाक्य जिनका अर्थ किसी प्रधान (मुख्य) वाक्य पर आश्रित रहता है, आश्रित उपवाक्य कहलाते हैं।
- आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य के बिना पूरा अर्थ नहीं दे सकते और इन्हें स्वतन्त्र भी नहीं लिखा जा सकता;
जैसे—**यदि सोहन आ जाए तो मैं उसके साथ चलूँ।**
यहाँ ‘यदि सोहन आ जाए’ आश्रित उपवाक्य है तथा ‘मैं उसके साथ चलूँ’ प्रधान उपवाक्य है।
- आश्रित उपवाक्यों को पहचानना अत्यन्त सरल है। जो उपवाक्य कि, जिससे कि, ताकि, ज्यों ही, जितना, ज्यों, क्योंकि, चूँकि, यद्यपि, यदि, जब तक, जब, जहाँ तक, जहाँ, जिधर, चाहे, मानो, कितना भी आदि शब्दों से आरम्भ होते हैं वे आश्रित उपवाक्य हैं।

आश्रित उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं, जिनकी पहचान निम्न प्रकार से की जा सकती है

- संज्ञा उपवाक्य** जो आश्रित उपवाक्य संज्ञा की तरह प्रयोग हों, उन्हें ‘संज्ञा उपवाक्य’ कहते हैं। अन्य शब्दों में, ऐसे आश्रित उपवाक्य जो प्रधान उपवाक्य की क्रिया के उद्देश्य (कर्ता), कर्म, पूरक क्रिया, सर्वनाम के स्थान पर प्रयुक्त हो, वे संज्ञा उपवाक्य कहलाते हैं;
• जैसे—मोहन ने कहा कि मैं अभी खेलूँगा।
यहाँ ‘कि मैं अभी खेलूँगा’ संज्ञा उपवाक्य है।
पहचान का नियम—संज्ञा उपवाक्य का प्रारम्भ **कि** से होता है।
- विशेषण उपवाक्य** जो आश्रित उपवाक्य विशेषण की तरह प्रयोग हों, उन्हें विशेषण आश्रित उपवाक्य कहते हैं। अन्य शब्दों में, जब कोई आश्रित उपवाक्य प्रधान वाक्य की संज्ञा पद की विशेषता बताते हैं, तब उन्हें विशेषण आश्रित उपवाक्य कहते हैं;
• जैसे—मैंने एक बच्चे को देखा जो बहुत नटखट था।
यहाँ ‘जो बहुत नटखट था’ विशेषण आश्रित उपवाक्य है।
पहचान का नियम—विशेषण उपवाक्य का प्रारम्भ **जो** अथवा इसके किसी रूप (जिसे, जिसको, जिसने, जिनको आदि) से होता है।
- क्रिया-विशेषण उपवाक्य** जो उपवाक्य क्रिया-विशेषण की तरह प्रयोग हों, उन्हें क्रिया-विशेषण उपवाक्य कहते हैं। अन्य शब्दों में, जो आश्रित उपवाक्य मुख्य उपवाक्य की क्रिया की काल, स्थान, कारण, परिणाम आदि से सम्बद्ध विशेषता बताएँ, उन्हें क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य कहते हैं;
• जैसे—जब रजनी पढ़ रही थी तब मैं सो रही थी।
यहाँ ‘जब रजनी पढ़ रही थी’ क्रिया-विशेषण उपवाक्य है।
पहचान का नियम—क्रिया-विशेषण उपवाक्य का प्रारम्भ **जब, जहाँ, जैसे** आदि से होता है।

2. प्रधान उपवाक्य

जो उपवाक्य पूरे वाक्य से पृथक् भी लिखा जाए तथा जिसका अर्थ किसी दूसरे पर आश्रित न हो अर्थात् जो स्वतन्त्र हो, उसे प्रधान उपवाक्य कहते हैं।

वाक्यों का रूपान्तरण

किसी वाक्य में अर्थ परिवर्तन किए बिना उसकी संरचना में परिवर्तन की प्रक्रिया वाक्यों का रूपान्तरण कहलाती है। एक प्रकार के वाक्य को दूसरे प्रकार के वाक्यों में बदलना वाक्य परिवर्तन या वाक्य रचानान्तरण कहलाता है।

वाक्य परिवर्तन की प्रक्रिया में इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि वाक्य का केवल प्रकार बदला जाए, उसका अर्थ या काल आदि नहीं।

वाक्य परिवर्तन सम्बन्धी नियम

- वाक्य परिवर्तन में केवल वाक्य रचना बदलनी चाहिए, वाक्य का अर्थ नहीं।
- सरल वाक्यों को मिश्र या संयुक्त वाक्य बनाते समय कुछ शब्द या सम्बन्धबोधक अव्यय अथवा योजक आदि से जोड़ना; जैसे—क्योंकि, कि, और, इसलिए, तब आदि।
- संयुक्त/मिश्र वाक्यों को सरल वाक्यों में बदलते समय योजक शब्दों या सम्बन्धबोधक अव्ययों का लोप करना।

सरल वाक्य से मिश्र वाक्य में परिवर्तन

- लड़के ने अपना दोष मान लिया। (सरल वाक्य)
लड़के ने माना कि दोष उसका है। (मिश्र वाक्य)
- राम मुझे घर आने को कहता है। (सरल वाक्य)
राम मुझे कहता है कि मेरे घर आओ। (मिश्र वाक्य)
- मैं तुम्हारे साथ खेलना चाहता हूँ। (सरल वाक्य)
मैं चाहता हूँ कि तुम्हारे साथ खेलूँ। (मिश्र वाक्य)
- आप अपनी समस्या बताएँ। (सरल वाक्य)
आप बताएँ कि आपकी समस्या क्या है। (मिश्र वाक्य)
- मुझे पुरस्कार मिलने की आशा है। (सरल वाक्य)
आशा है कि मुझे पुरस्कार मिलेगा। (मिश्र वाक्य)
- महेश सेना में भर्ती होने योग्य नहीं है। (सरल वाक्य)
महेश इस योग्य नहीं है कि सेना में भर्ती हो सके। (मिश्र वाक्य)
- राम के आने पर मोहन जाएगा। (सरल वाक्य)
जब राम जाएगा तब मोहन आएगा। (मिश्र वाक्य)
- मेरे बैठने की जगह कहाँ है? (सरल वाक्य)
वह जगह कहाँ है जहाँ मैं बैठूँ? (मिश्र वाक्य)
- मैं तुम्हारे साथ व्यापार करना चाहता हूँ। (सरल वाक्य)
मैं चाहता हूँ कि तुम्हारे साथ व्यापार करूँ। (मिश्र वाक्य)
- श्याम ने आगरा जाने के लिए टिकट लिया। (सरल वाक्य)
श्याम ने टिकट लिया ताकि वह आगरा जा सके। (मिश्र वाक्य)
- मैंने एक घायल हिरन देखा। (सरल वाक्य)
मैंने एक हिरन देखा जो घायल था। (मिश्र वाक्य)
- मुझे उस कर्मचारी की कर्तव्यनिष्ठा पर सन्देह है। (सरल वाक्य)
मुझे सन्देह है कि वह कर्मचारी कर्तव्यनिष्ठ है। (मिश्र वाक्य)
- बुद्धिमान व्यक्ति किसी से झगड़ा नहीं करता है। (सरल वाक्य)
जो व्यक्ति बुद्धिमान है वह किसी से झगड़ा नहीं करता है। (मिश्र वाक्य)
- यह किसी बहुत बुरे आदमी का काम है। (सरल वाक्य)
वह कोई बुरा आदमी है जिसने यह काम किया है। (मिश्र वाक्य)
- न्यायाधीश ने कैदी को हाज़िर करने का आदेश दिया। (सरल वाक्य)
न्यायाधीश ने आदेश दिया कि कैदी हाज़िर किया जाए। (मिश्र वाक्य)

सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य में परिवर्तन

- पैसा साध्य न होकर साधन है। (सरल वाक्य)
पैसा साध्य नहीं है, किन्तु साधन है। (संयुक्त वाक्य)
- दोनों में से कोई काम पूरा नहीं हुआ। (सरल वाक्य)
न एक काम पूरा हुआ न दूसरा। (संयुक्त वाक्य)
- पंगु होने के कारण वह घोड़े पर नहीं चढ़ सकता। (सरल वाक्य)
वह पंगु है इसलिए घोड़े पर नहीं चढ़ सकता। (संयुक्त वाक्य)
- परिश्रम करके सफलता प्राप्त करो। (सरल वाक्य)
परिश्रम करो और सफलता प्राप्त करो। (संयुक्त वाक्य)
- रमेश दण्ड के भय से झूठ बोलता रहा। (सरल वाक्य)
रमेश को दण्ड का भय था, इसलिए वह झूठ बोलता रहा। (संयुक्त वाक्य)
- वह खाना खाकर सो गया। (सरल वाक्य)
उसने खाना खाया और सो गया। (संयुक्त वाक्य)
- उसने गलत काम करके अपयश कमाया। (सरल वाक्य)
उसने गलत काम किया और अपयश कमाया। (संयुक्त वाक्य)

संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य में परिवर्तन

- सूर्योदय हुआ और कुहासा जाता रहा। (संयुक्त वाक्य)
सूर्योदय होने पर कुहासा जाता रहा। (सरल वाक्य)
- जल्दी चलो, नहीं तो पकड़े जाओगे। (संयुक्त वाक्य)
जल्दी न चलने पर पकड़े जाओगे। (सरल वाक्य)
- वह धनी है पर लोग ऐसा नहीं समझते। (संयुक्त वाक्य)
लोग उसे धनी नहीं समझते। (सरल वाक्य)
- वह अमीर है फिर भी सुखी नहीं है। (संयुक्त वाक्य)
वह अमीर होने पर भी सुखी नहीं है। (सरल वाक्य)
- बाँस और बाँसुरी दोनों नहीं रहेगे। (संयुक्त वाक्य)
न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी। (सरल वाक्य)
- राजकुमार ने भाई को मार डाला और स्वयं राजा बन गया। (संयुक्त वाक्य)
भाई को मारकर राजकुमार राजा बन गया। (सरल वाक्य)

संयुक्त वाक्य से मिश्र वाक्य में परिवर्तन

- काम पूरा कर डालो नहीं तो जुर्माना होगा। (संयुक्त वाक्य)
यदि काम पूरा नहीं करोगे तो जुर्माना होगा। (मिश्र वाक्य)
- इस समय सर्दी है इसलिए कोट पहन लो। (संयुक्त वाक्य)
क्योंकि इस समय सर्दी है, इसलिए कोट पहन लो। (मिश्र वाक्य)
- वह मरणासन्न था, इसलिए मैंने उसे क्षमा कर दिया। (संयुक्त वाक्य)
मैंने उसे क्षमा कर दिया, क्योंकि वह मरणासन्न था। (मिश्र वाक्य)
- वक्त निकल जाता है पर बात याद रहती है। (संयुक्त वाक्य)
भले ही वक्त निकल जाता है, फिर भी बात याद रहती है। (मिश्र वाक्य)
- जल्दी तैयार हो जाओ, नहीं तो बस चली जाएगी। (संयुक्त वाक्य)
यदि जल्दी तैयार नहीं होओगे तो बस चली जाएगी। (मिश्र वाक्य)
- इसकी तलाशी लो और घड़ी मिल जाएगी। (संयुक्त वाक्य)
यदि इसकी तलाशी लो तो घड़ी मिल जाएगी। (मिश्र वाक्य)
- सुरेश या तो स्वयं आएगा या तार भेजेगा। (संयुक्त वाक्य)
यदि सुरेश स्वयं न आया तो तार भेजेगा। (मिश्र वाक्य)

मिश्र वाक्य से सरल वाक्य में परिवर्तन

- ज्यों ही मैं वहाँ पहुँचा त्यों ही घण्टा बजा। (मिश्र वाक्य)
मेरे वहाँ पहुँचते ही घण्टा बजा। (सरल वाक्य)
- यदि पानी न बरसा तो सूखा पड़ जाएगा। (मिश्र वाक्य)
पानी न बरसने पर सूखा पड़ जाएगा। (सरल वाक्य)
- उसने कहा कि मैं निर्दोष हूँ। (मिश्र वाक्य)
उसने अपने को निर्दोष बताया। (सरल वाक्य)
- यह निश्चित नहीं है कि वह कब आएगा? (मिश्र वाक्य)
उसके आने का समय निश्चित नहीं है। (सरल वाक्य)
- जब तुम लौटकर आओगे तब मैं जाऊँगा। (मिश्र वाक्य)
तुम्हारे लौटकर आने पर मैं जाऊँगा। (सरल वाक्य)
- जहाँ राम रहता है वहीं श्याम भी रहता है। (मिश्र वाक्य)
राम और श्याम साथ ही रहते हैं। (सरल वाक्य)
- आशा है कि वह साफ बच जाएगा। (मिश्र वाक्य)
उसके साफ बच जाने की आशा है। (सरल वाक्य)

मिश्र वाक्य से संयुक्त वाक्य में परिवर्तन

- वह उस स्कूल में पढ़ा जो उसके गाँव के निकट था। (मिश्र वाक्य)
वह स्कूल में पढ़ा और वह स्कूल उसके गाँव के निकट था। (संयुक्त वाक्य)
- मुझे वह पुस्तक मिल गई है जो खो गई थी। (मिश्र वाक्य)
वह पुस्तक खो गई थी परन्तु मुझे मिल गई है। (संयुक्त वाक्य)
- जैसे ही उसे तार मिला वह घर से चल पड़ा। (मिश्र वाक्य)
उसे तार मिला और वह तुरन्त घर से चल पड़ा। (संयुक्त वाक्य)
- काम समाप्त हो जाए तो जा सकते हो। (मिश्र वाक्य)
काम समाप्त करो और जाओ। (संयुक्त वाक्य)
- आश्चर्य है कि वह हार गया। (मिश्र वाक्य)
वह हार गया परन्तु यह आश्चर्य है। (संयुक्त वाक्य)
- जैसा बोओगे वैसा काटोगे। (मिश्र वाक्य)
जो जैसा बोएगा वैसा ही काटेगा। (संयुक्त वाक्य)

विधानवाचक वाक्य से निषेधवाचक वाक्य में परिवर्तन

- यह प्रस्ताव सभी को मान्य है। (विधानवाचक वाक्य)
इस प्रस्ताव के विरोधाभास में कोई नहीं है। (निषेधवाचक वाक्य)
- तुम असफल हो जाओगे। (विधानवाचक वाक्य)
तुम सफल नहीं हो पाओगे। (निषेधवाचक वाक्य)
- शेरशाह सूरी एक बहादुर बादशाह था। (विधानवाचक वाक्य)
शेरशाह सूरी कायर बादशाह नहीं था। (निषेधवाचक वाक्य)
- रमेश सुरेश से बड़ा है। (विधानवाचक वाक्य)
रमेश सुरेश से छोटा नहीं है। (निषेधवाचक वाक्य)
- शेर गुफा के अन्दर रहता है। (विधानवाचक वाक्य)
शेर गुफा के बाहर नहीं रहता है। (निषेधवाचक वाक्य)
- मुझे सन्देह हुआ कि यह पत्र आपने लिखा। (विधानवाचक वाक्य)
मुझे विश्वास नहीं हुआ कि यह पत्र आपने लिखा। (निषेधवाचक वाक्य)
- मुगल शासकों में अकबर श्रेष्ठ था। (विधानवाचक वाक्य)
मुगल शासकों में अकबर से बढ़कर कोई नहीं था। (निषेधवाचक वाक्य)

निश्चयवाचक वाक्य से प्रश्नवाचक वाक्य में परिवर्तन

- आपका भाई यहाँ नहीं है। (निश्चयवाचक)
आपका भाई कहाँ है? (प्रश्नवाचक)
- किसी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। (निश्चयवाचक)
किस पर भरोसा किया जाए? (प्रश्नवाचक)
- गाँधीजी का नाम सबने सुन रखा है। (निश्चयवाचक)
गाँधीजी का नाम किसने नहीं सुना? (प्रश्नवाचक)
- तुम्हारी पुस्तक मेरे पास नहीं है। (निश्चयवाचक)
तुम्हारी पुस्तक मेरे पास कहाँ है? (प्रश्नवाचक)
- तुम किसी न किसी तरह उत्तीर्ण हो गए। (निश्चयवाचक)
तुम कैसे उत्तीर्ण हो गए? (प्रश्नवाचक)
- अब तुम बिल्कुल स्वस्थ हो गए हो। (निश्चयवाचक)
क्या तुम अब बिल्कुल स्वस्थ हो गए हो? (प्रश्नवाचक)
- यह एक अनुकरणीय उदाहरण है। (निश्चयवाचक)
क्या यह अनुकरणीय उदाहरण नहीं है? (प्रश्नवाचक)

विस्मयादिबोधक वाक्य से विधानवाचक वाक्य में परिवर्तन

- वाह! कितना सुन्दर नगर है! (विस्मयादिबोधक)
बहुत ही सुन्दर नगर है। (विधानवाचक वाक्य)
- काश! मैं जवान होता। (विस्मयादिबोधक)
मैं चाहता हूँ कि मैं जवान होता। (विधानवाचक वाक्य)
- अरे! तुम फेल हो गए। (विस्मयादिबोधक)
मुझे तुम्हारे फेल होने पर आश्चर्य हो रहा है। (विधानवाचक वाक्य)

पदबन्ध

अनेक पदों के योग से बना वाक्यांश, जो एक ही पद का कार्य करता है, पदबन्ध (Phrase) कहलाता है। अन्य शब्दों में, पदबन्ध वाक्य का एक अंश होता है। जब एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का काम करते हैं, उसी बँधी हुई इकाई को 'पदबन्ध' कहा जाता है;

- जैसे—सड़क पर गिरा हुआ थैला राम का है।

इस वाक्य में 'सड़क पर गिरा हुआ थैला' में पाँच पद हैं, परन्तु ये साथ मिलकर एक ही व्याकरणिक इकाई अर्थात् **संज्ञा** (थैला) के रूप में प्रयोग हो रहे हैं। अतः यह पूरा अंश एक पदबन्ध है;

- जैसे—यमुना बहती चली जा रही है।

इस वाक्य में 'बहती चली जा रही है' में चार पद हैं, परन्तु ये साथ मिलकर एक ही व्याकरणिक इकाई अर्थात् **क्रिया** (बहती) के रूप में प्रयोग हो रहे हैं;

- जैसे—राम परिश्रमी तथा शान्त स्वभाव का व्यक्ति है।

इस वाक्य में 'परिश्रमी तथा शान्त स्वभाव' में चार पद हैं, परन्तु ये साथ मिलकर एक ही व्याकरणिक इकाई अर्थात् **विशेषण** (परिश्रमी तथा शान्त) का कार्य कर रहे हैं;

- जैसे—चिड़ियाँ चूँ-चूँ करती हुई उड़ रही हैं।

इस वाक्य में भी 'चूँ-चूँ करती हुई' में चार पद हैं, परन्तु ये साथ मिलकर एक ही व्याकरणिक इकाई अर्थात् **क्रिया-विशेषण** (चूँ-चूँ) का कार्य कर रही हैं।

पदबन्ध के प्रकार

पदबन्ध मुख्य रूप से पाँच प्रकार के होते हैं

1. संज्ञा पदबन्ध

संज्ञा पद के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले पदबन्ध 'संज्ञा पदबन्ध' कहलाते हैं। इसकी पहचान यह है कि इसमें शीर्ष शब्द या पदबन्ध का अन्तिम शब्द संज्ञा पद होता है तथा शेष पद उस पर आश्रित होते हैं; जैसे—

- विदेश में रहने वाले मेरे चाचा जी ने मुझे बुलाया है।
- गाड़ी से गिरकर घायल हुआ लड़का ठीक हो गया।
- श्याम का बड़ा भाई रमेश कल आया था।
- तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।
- पीली बस फुटपाथ पर चढ़ गई।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'संज्ञा पदबन्ध' के उदाहरण हैं। इन सभी वाक्यों में शेष पद रेखांकित वाले भाग पर आश्रित हैं।

2. सर्वनाम पदबन्ध

सर्वनाम पद के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले पदबन्ध और जो पदबन्ध वाक्य में सर्वनाम का कार्य करते हैं वे सर्वनाम पदबन्ध कहलाते हैं; जैसे—

- जो स्त्री आज सुबह आई थी वह बीमार है।
- मंच पर नृत्य करने वाला आज नहीं आएगा।
- बड़ों की सेवा करने वाले तुम सचमुच सम्माननीय हो।
- वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'सर्वनाम पदबन्ध' के उदाहरण हैं।

3. क्रिया पदबन्ध

क्रिया पद के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले पदबन्ध 'क्रिया पदबन्ध' कहलाते हैं। इस पदबन्ध में मुख्य क्रिया का प्रयोग वाक्य के प्रारम्भ में ही किया जाता है, इसके बाद अन्य क्रियाएँ मिलकर एक पूर्ण इकाई का निर्माण करती हैं। इस पदबन्ध के शीर्ष में क्रिया होती है; जैसे—

- बड़े भैया कल ही दिल्ली चले गए थे।
- मोहन नदी में डूब गया।
- मोहन शर्बत पीकर चला गया।
- आयुष सुरभि का चुटकुला सुनकर हँसता रहा।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'क्रिया पदबन्ध' के उदाहरण हैं।

4. विशेषण पदबन्ध

वे पदबन्ध जो विशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, विशेषण पदबन्ध कहलाते हैं। अन्य शब्दों में, ऐसे पदबन्ध जिनका शीर्ष या अन्तिम शब्द यदि विशेषण है और अन्य सभी पद उस पर आश्रित हैं, विशेषण पदबन्ध कहलाते हैं; जैसे—

- महेश बहुत दुर्जन, बेइमान और कामचोर युवक है।
- फल बेचने वाला व्यक्ति आज बीमार है।
- सफ़ेद साड़ी पहने हुए महिला घर में घुस गई।
- सुनीता परिश्रमी और होशियार लड़की है।
- उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था।

उपर्युक्त में रेखांकित शब्द 'विशेषण पदबन्ध' के उदाहरण हैं।

5. क्रिया-विशेषण (अव्यय) पदबन्ध

क्रिया-विशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले पदबन्ध 'क्रिया विशेषण पदबन्ध' कहलाते हैं। क्रिया का विशेषण रूप होने के कारण इसका प्रयोग क्रिया से पहले किया जाता है। इसमें क्रिया-विशेषण शीर्ष स्थान पर रहता है एवं अन्य पद उस पर आश्रित होते हैं; जैसे—

- भाभी जल्दी-जल्दी चलकर छत पर पहुँची।
- मोहन धीरे-धीरे चलकर थक गया।
- फल बेचने वाला व्यक्ति बात-बात पर झगड़ने लगता है।
- अरुणिमा धीरे-धीरे चलते हुए वहाँ जा पहुँची।
- उसने साँप को पीट-पीटकर मार डाला।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'क्रिया-विशेषण पदबन्ध' के उदाहरण हैं।

शीर्ष पद

पदबन्ध के अन्तर्गत एक 'शीर्ष पद' होता है, जो अन्य पदों का आधार केन्द्र होता है। शेष पद उस पर आश्रित होते हैं और वे 'आश्रित पद' कहलाते हैं;

जैसे—'संकटमोचन हनुमान' में 'हनुमान' शीर्ष पद है और 'संकटमोचन' आश्रित पद है।

शीर्ष पद की पहचान

सर्वप्रथम यह समझा जाना आवश्यक है कि वह पदबन्ध संज्ञा का कार्य कर रहा है या विशेषण, क्रिया, सर्वनाम या क्रिया-विशेषण का। पद की जगह न्यूनतम एक पद को रखकर देखना चाहिए कि कौन-सा पद वाक्य के पद के अर्थ की संगति को बनाए रखता है। यही उसका शीर्ष पद कहलाएगा;

जैसे—“संकटमोचन हनुमान संजीवनी बूटी लाए।” यहाँ 'हनुमान संजीवनी बूटी लाए' भी संगत है। इसलिए 'हनुमान', 'संकटमोचन हनुमान' पदबन्ध का शीर्ष पद है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नावली

1. वाक्य के गुणों में सम्मिलित नहीं है
(a) लयबद्धता (b) सार्थकता
(c) क्रमबद्धता (d) आकांक्षा
2. 'नाव में नदी है'—इस वाक्य में किस वाक्य गुण का अभाव है?
(a) आकांक्षा (b) क्रम
(c) योग्यता (d) आसक्ति
3. वाक्य गुण 'आसक्ति' का अर्थ है
(a) व्याकरणानुकूल (b) क्रमबद्धता
(c) योग्यता (d) समीपता
4. वाक्यों का वर्गीकरण कितने आधारों पर किया गया है?
(UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)
(a) दो (b) चार (c) आठ (d) तीन
5. वे वाक्य सरल वाक्य कहलाते हैं, जिनमें
(UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)
(a) एक से अधिक प्रधान उपवाक्य हों
(b) एक साधारण और दूसरा आश्रित उपवाक्य हो
(c) एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय हो
(d) आश्रित उपवाक्य समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े हों
6. मिश्र वाक्य कहते हैं
(a) जिनमें एक कर्ता और एक ही क्रिया होती है
(b) जिनमें एक से अधिक प्रधान उपवाक्य हों
(c) जिनमें एक साधारण वाक्य तथा उसके अधीन दूसरा उपवाक्य हो
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं
7. जिन वाक्यों में एक-से-अधिक प्रधान उपवाक्य हों और वे संयोजक अव्यय द्वारा जुड़े हों, उसे कहते हैं
(a) विधिवाचक (b) सरल वाक्य
(c) मिश्र वाक्य (d) संयुक्त वाक्य
8. अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद बताइए। (UPSSSC Pre 2016)
(a) दो (b) चार
(c) छः (d) आठ
9. प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किस वाक्य में होगा? (UPPSC Pre 2018)
(a) मोहन ने पूछा राम की वय (आयु) कितनी है
(b) सीता जानना चाहती है, भाई घर कब आएगा
(c) मोहन बाजार गया था
(d) मोहन को बाजार क्यों जाना था
10. जिन वाक्यों से किसी कार्य या बात करने का बोध होता है, उन्हें कहते हैं
(a) आज्ञावाचक (b) विधानवाचक
(c) इच्छावाचक (d) संकेतवाचक
11. जिन वाक्यों से किसी बात या कार्य न होने का बोध होता है, उन्हें कहते हैं
(a) आज्ञावाचक (b) विस्मयवाचक
(c) निषेधवाचक (d) संकेतवाचक
12. 'श्याम स्कूल जाओ'—वाक्य है
(a) विधानवाचक (b) निषेधवाचक (c) संकेतवाचक (d) आज्ञावाचक
13. 'राम ने कहा गाड़ी पलट गई' (CGTET 2017)
(a) सरल वाक्य है (b) द्वित्व वाक्य है
(c) संयुक्त वाक्य है (d) मिश्र वाक्य है
14. 'अहा! कितना सुन्दर दृश्य है'—वाक्य किस प्रकार का है?
(a) निषेधवाचक (b) विस्मयवाचक (c) इच्छावाचक (d) आज्ञावाचक
15. 'रमेश पढ़ा-लिखा है या नहीं'—वाक्य है
(a) विधानवाचक (b) इच्छावाचक (c) सन्देशवाचक (d) आज्ञावाचक
16. 'पिता ने समझाया कि सदा सत्य बोलना चाहिए।' यह वाक्य उदाहरण है (UPTET 2016)
(a) सरल वाक्य का (b) इच्छावाचक वाक्य का
(c) मिश्र वाक्य का (d) आज्ञावाचक वाक्य का
17. 'आपका भविष्य उज्ज्वल हो'—वाक्य है
(a) इच्छावाचक (b) आज्ञावाचक
(c) विधानवाचक (d) संकेतवाचक

18. 'जो पढ़ेगा वह उत्तीर्ण होगा'—वाक्य है
(a) सन्देशवाचक (b) संकेतवाचक
(c) आज्ञावाचक (d) विधानवाचक
19. निम्न में से कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य नहीं है?
(UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2015)
(a) मैंने एक पुस्तक खरीदी जो नई है।
(b) यह वही बच्चा है जिसे बैल ने मारा।
(c) एक विज्ञान गोष्ठी हुई जिसमें अनेक वक्ता बोले।
(d) वह परिश्रमी ही नहीं वरन् ईमानदार भी है।
20. निम्नलिखित विकल्पों में से दिए गए वाक्य का सही वाक्य भेद पहचानिए।
(UPSSSC मंडी परिषद् 2019)
'पुस्तक बाजार में बहुत महँगी थी, इसलिए पुस्तकालय से ले ली।'
(a) विधानवाचक वाक्य (b) सरल वाक्य
(c) मिश्र वाक्य (d) संयुक्त वाक्य
21. निम्नलिखित में से कौन-सा मिश्र वाक्य है? (UPTET परीक्षा 2020)
(a) उसमें न पत्ते थे, न फूल थे
(b) वह उड़ती हुई चिड़िया पहचानता है
(c) यज्ञदत्त देवदत्त को व्याकरण पढ़ाता है
(d) मैंने सुना है कि आपके देश में अच्छा राजप्रबन्ध है
22. संयुक्त वाक्य पहचानिए
(a) उत्तर देने का यह ढंग ठीक नहीं है
(b) उसे गर्व है कि वह उच्चकुल में पैदा हुआ
(c) दवा लो और बुखार कम हो जाएगा
(d) उपरोक्त सभी
23. इनमें से विधानवाचक वाक्य कौन-सा है?
(a) यह एक अनुकरणीय उदाहरण नहीं है।
(b) इस बात से किसी को इनकार नहीं है।
(c) मुझे कौन वोट नहीं देगा?
(d) यह बात सभी को स्वीकार्य है।
24. 'शायद' में भी वाक्य है (KVS परीक्षा 2011)
(a) सन्देशवाचक (b) संकेतवाचक
(c) इच्छार्थक (d) विधानवाचक
25. वाक्य के घटक या अंग होते हैं (UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2015)
(a) उद्देश्य और विधेय (b) कर्ता और क्रिया
(c) कर्म और क्रिया (d) कर्म और विशेषण
26. संरचना के आधार पर किए गए वाक्य के वर्गीकरण में इनमें से कौन-सा प्रकार नहीं है? (REET 2016)
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) आज्ञार्थक वाक्य (d) संयुक्त वाक्य
27. निम्नलिखित में से क्रिया-विशेषण उपवाक्य है (RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2011)
(a) मेरे पास एक गुड़िया है जो नाचती है
(b) मेरी इच्छा है कि मैं एक उपन्यास लिखूँ
(c) जब बारिश हो रही थी तब मैं घर में था
(d) कविता ने कहा कि सुनीता ने शादी कर ली
28. 'हाथी जंगल में रहते हैं'—यह वाक्य है (MPTET 2011)
(a) विधानवाचक (b) अनिश्चयवाचक
(c) निषेधवाचक (d) प्रश्नवाचक
29. 'वह हार गया परन्तु यह आश्चर्य है'—यह वाक्य है (MPTET 2011)
(a) मिश्र वाक्य (b) सरल वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) इनमें से कोई नहीं
30. निम्नलिखित में से इच्छार्थक वाक्य है (RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2011)
(a) सौरभ को बुलाओ (b) तुम्हारा मंगल हो
(c) तुमने सुना होगा (d) आज विद्यालय में अवकाश है
31. 'मैं आपसे सहमत नहीं हूँ'—वाक्य है
(a) विधानवाचक (b) इच्छावाचक
(c) सन्देशवाचक (d) निषेधवाचक
32. वाक्य और उसके भेद से सम्बन्धित कौन-सा जोड़ा गलत है?
(a) बच्चे नाश्ता करके विद्यालय गए — सरल वाक्य (UPTET 2018)
(b) जो प्रथम आएगा वह पुरस्कार पाएगा — मिश्र वाक्य
(c) नेता ने भाषण दिया और चला गया — संयुक्त वाक्य
(d) लक्ष्मी गई और सोफिया आ गई — सरल वाक्य
33. 'आपके अवकाश का क्या हुआ?' कैसा वाक्य है? (इग्नू बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2010)
(a) सन्देशवाचक (b) प्रश्नवाचक
(c) इच्छावाचक (d) विधिवाचक
34. 'राकेश आया होगा'—वाक्य है
(a) विस्मयवाचक (b) इच्छावाचक
(c) सन्देशवाचक (d) संकेतवाचक
35. 'जो गरीबों की सहायता करते हैं वे धर्मात्मा होते हैं'—वाक्य है
(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) इनमें से कोई नहीं
36. 'राजनीति अब एक व्यवसाय बन गई है, जो अनैतिकता के आधार पर चलती है।' यह किस प्रकार का वाक्य है? (UPTET 2016)
(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) मिश्र वाक्य (d) इनमें से कोई नहीं
37. आज्ञावाचक वाक्य को चिह्नित कीजिए (इग्नू बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2011)
(a) उसने दरवाजा खोला (b) उसके द्वारा दरवाजा खोला गया
(c) जल्दी दरवाजा खोलो (d) क्या वह दरवाजा खोल पाएगा?
38. मिश्र वाक्य को चिह्नित कीजिए (HTET 2010)
(a) आपने ऐसा क्यों किया?
(b) उसने कहा कि आज छुट्टी हो जाएगी।
(c) वाह! आप एम.पी. हो गए।
(d) बालक आया और मेरे पास बैठ गया।
39. संकेतवाचक वाक्य चुनिए (उ.प्र. बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2011)
(a) ईश्वर सर्वशक्तिमान है
(b) ईश्वर का वास प्रत्येक हृदय में है
(c) ईश्वर करे आप जल्दी स्वस्थ हो जाएँ
(d) ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया
40. मयंक सुन्दर है, वह हँसमुख भी है—इस वाक्य का सरल वाक्य में रूपान्तर होगा (RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर 2011)
(a) मयंक सुन्दर है तथा हँसमुख भी है
(b) मयंक सुन्दर है, लेकिन हँसमुख है
(c) मयंक सुन्दर और हँसमुख है
(d) मयंक सुन्दर भी है और हँसमुख भी
41. छात्रों ने परिश्रम किया, वे उत्तीर्ण हो गए—इस वाक्य का 'मिश्र वाक्य' में रूपान्तरण होगा (RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर 2011)
(a) छात्रों ने परिश्रम किया और उत्तीर्ण हो गए
(b) परिश्रम करने वाले छात्र उत्तीर्ण हो गए
(c) जिन छात्रों ने परिश्रम किया वे उत्तीर्ण हो गए
(d) छात्र परिश्रम करके उत्तीर्ण हो गए

42. “वह लाचार है, क्योंकि वह अन्धा है।” इस वाक्य में कौन-सा अव्यय है? (UPSSSC लेखपाल परीक्षा 2015)
 (a) संकेतवाचक (b) कारणवाचक
 (c) परिणामवाचक (d) सम्बन्धवाचक
43. ‘छात्र ने परिश्रम नहीं किया इसलिए वह अनुत्तीर्ण हो गया’ यह वाक्य है (UK वन आरक्षी 2020)
 (a) सरल वाक्य (b) जटिल वाक्य
 (c) संयुक्त वाक्य (d) निरर्थक वाक्य
44. इस वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए (MP व्यावसायिक परीक्षा मण्डल 2017)
 (a) कठोर बनो परन्तु सहृदय बनो (b) कठोर होते हुए सहृदय बनो
 (c) कठोर बनते हुए सहृदय बनो (d) कठोर और सहृदय बनो
45. वाक्य भेद के आधार पर वाक्य का नाम बताइए। (MP व्यावसायिक परीक्षा मण्डल 2017)
 ‘मैंने उसे बहुत समझाया, परन्तु वह नहीं समझी।’
 (a) मिश्रित वाक्य (b) निषेधात्मक वाक्य
 (c) संयुक्त वाक्य (d) सरल वाक्य
46. अर्थ के आधार पर वाक्य का कौन-सा भेद इनमें से नहीं है? (REET 2016)
 (a) विस्मयबोधक (b) विधानवाचक
 (c) मिश्र (d) प्रश्नात्मक
47. ‘मेरा छोटा भाई प्रशान्त धार्मिक पुस्तकें अधिक पढ़ता है’ इस वाक्य में विधेय का विस्तार है (REET 2016)
 (a) छोटा भाई (b) धार्मिक पुस्तकें अधिक
 (c) मेरा भाई प्रशान्त (d) पढ़ता है
48. ‘कठोर बनो परन्तु दयालु रहो’.....वाक्य है। (CGPSC (Pre) 2015)
 (a) विधिवाचक (b) विधानवाचक
 (c) इच्छावाचक (d) उद्गारवाचक
49. वाक्य का नाम बताइए (MP व्यावसायिक मण्डल परीक्षा 2017)
 ‘रमेश ने बताया कि वह घर जा रहा है।’
 (a) विधि वाचक वाक्य (b) मिश्रित वाचक वाक्य
 (c) संयुक्त वाक्य (d) सरल वाक्य
50. ‘वह इतना कमजोर है कि चल भी नहीं सकता।’ में ‘कि चल भी नहीं सकता’, है (UK ‘समूह-ग’ परीक्षा 2019)
 (a) विशेषण उपवाक्य (b) संज्ञा उपवाक्य
 (c) क्रिया-विशेषण उपवाक्य (d) सरल वाक्य
51. ‘पानी न बरसता, तो धान सूख जाता।’ किस प्रकार का वाक्य है?
 (a) आज्ञावाचक (b) संकेतवाचक (UPSSSC 2019)
 (c) सन्देशवाचक (d) इच्छावाचक
52. पदबन्ध के कितने प्रकार हैं?
 (a) तीन (b) चार
 (c) पाँच (d) सात
53. निम्नलिखित में से कौन-सा पदबन्ध का भेद नहीं है?
 (a) विशेषण पदबन्ध (b) उपवाक्य पदबन्ध
 (c) अव्यय पदबन्ध (d) क्रिया पदबन्ध
54. संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले पद-समूह को क्या कहा जाता है?
 (a) संज्ञा पदबन्ध (b) सर्वनाम पदबन्ध
 (c) विशेषण पदबन्ध (d) क्रिया-विशेषण पदबन्ध
55. ‘देशभक्ति और साहस सुभाषचन्द्र बोस के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताएँ थीं।’-रेखांकित पदबन्ध का उचित भेद बताइए
 (a) क्रिया-विशेषण पदबन्ध (b) संज्ञा पदबन्ध
 (c) विशेषण पदबन्ध (d) क्रिया पदबन्ध
56. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया पदबन्ध का उदाहरण कौन-सा है?
 (a) कक्षा नायक बुद्धिमान लड़का है
 (b) जोर-जोर से रोता हुआ बालक चुप हो गया
 (c) आपके परिवार में से कोई समय पर नहीं पहुँचा
 (d) आजकल वह मेरी दुकान की सफाई कर रहा है
57. ‘नल से पानी लगातार बहता रहता है’-प्रस्तुत वाक्य में क्रिया-विशेषण पदबन्ध कौन-सा है?
 (a) लगातार (b) नल से पानी
 (c) बहता रहता है (d) नल से पानी लगातार
58. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा पदबन्ध कौन-सा है?
 (a) नन्दनन्दन कृष्ण ने पूतना को मारा
 (b) सोहन पुस्तक पढ़ता है
 (c) योग्य पिता की सन्तान भी योग्य होती है
 (d) सोहन भागकर घर पहुँचा
59. ‘सुबह-सुबह दौड़ना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।’-रेखांकित पदबन्ध का भेद कौन-सा है?
 (a) सर्वनाम पदबन्ध (b) क्रिया पदबन्ध
 (c) संज्ञा पदबन्ध (d) क्रिया-विशेषण पदबन्ध
60. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों में सर्वनाम पदबन्ध कौन-सा है?
 (a) विरोध करने वाले लोगों में से आज कोई नहीं बोला
 (b) इतने परिश्रम से कार्य करने वाले तुम असफल नहीं हो सकते
 (c) विदेश से आए उन युवकों में कुछ हिन्दीभाषी है
 (d) उपरोक्त सभी

उत्तरमाला

1. (a)	2. (b)	3. (d)	4. (a)	5. (c)	6. (c)	7. (d)	8. (d)	9. (d)	10. (b)
11. (c)	12. (d)	13. (d)	14. (b)	15. (c)	16. (c)	17. (a)	18. (b)	19. (d)	20. (d)
21. (d)	22. (c)	23. (d)	24. (a)	25. (a)	26. (c)	27. (c)	28. (a)	29. (c)	30. (b)
31. (d)	32. (d)	33. (b)	34. (c)	35. (b)	36. (c)	37. (c)	38. (b)	39. (c)	40. (c)
41. (c)	42. (b)	43. (c)	44. (a)	45. (c)	46. (c)	47. (b)	48. (c)	49. (b)	50. (c)
51. (b)	52. (c)	53. (b)	54. (c)	55. (c)	56. (d)	57. (a)	58. (a)	59. (c)	60. (d)